Sl. No. :

MHNHC-3.3

Total No. of Pages : 3

Third Semester M.A. Degree Examination, June - 2025
(SLM Scheme) (CBCS)
हिन्दी (HINDI)
Course - III : Vishesh Kavi Surdas
प्रश्नपत्र – III : विशेष कवि सूरदास

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Instruction : All sections are compulsory.

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[4 × 5 = 20]**

1) ऊधौ मन ना भये दस–बीस
एक हुतो सो गयौ स्याम संग, कौ आराधे ईस ।।

2) सुनौ गोपी हिर कौ संदेस ।
किर समाधि अंतर गति ध्यावहु, यह उनको उपदेस ।।
वै अविगत अविनासी पूरन, सब घट रहे समाई ।
तत्वज्ञान बिनु मुक्ति नहीं, वेद पुराननि गाई ।।
सगुन रूप तिज निरगुन ध्यावहु, इक चित्त एक मन लाई ।
वह उपाई किर बिरह तरौ तुम, मिले बह्म तब आई ।।
दुसह संदेस सुन माधौ को, गोपि जन बिलखानी ।
सूर बिरह की कौन चलावै, बूड़ितं मनु बिन पानी ।।

3) निरगुन कौन देस को वासी ।
मधुकर किह समुझाई सौंह दै, बूझतिं सांहिच न हांसी ।।
को है जनक, कौन है जननि, कौन नारि कौन दासी ।
कैसे बरन भेष है कैसो, किहं रस मैं अभिलाषी ।।
पावैगो पुनि कियौ आपनो, जो रे करेगौ गांसी ।
सुनत मौन हवै रहयौ बावरो, सूर सबै मति नासी ।।

4) उधौ मन ना भए दस बीस ।
एक हुतौ सौ गयौ स्याम संग, को आराधे ईस ।।
इंदर्‌ही सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस ।
आसा लागि रहित तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस ।
तुम तौ सखा स्याम सुंदर के, सकल जोग के ईस ।
सूर हमारै नंद–नंदन बिनु, और नहीं जगदीस ।।

5) (मधुप तुम) कहौ कहाँ तैं आए हौ ।
जानति हौं अनुमान आपनै, तुम जदुनाथ पठाए हौ ।।
वैसेइ बसन, बरन तन सुंदर, वेइ भूषन सजि ल्याए हौ ।
लै सरबसु सँग स्याम सिधारे, अब का पर पहिराए हौ ।
अहो मधुप एकै मन सबकौ, सु तौ उहाँ लै छाए हौ ।
अब यह कौन सयान बहुरि ब्रज, ता कारन उठि धाए हौ ।।
मधुबन की मानिनी मनोहर, तहीं जात जहँ भाये हौ ।
सूर जहाँ लौं स्याम गात हैं, जानि भले करि पाए हौ ।।

6) मधुकर हम न होहिं वै बेलि ।
जिन भजि तजि तुम फिरत और रँग, करन कुसुम – रस केलि ।।
बारे तैं बर बारि बनी हैं, अरु पोषी पिय पानि ।
बिनु पिय परस प्रात उठि फूलत, होति सदा हित हानि ।।
ये बेली बिरहीं बृंदावन; उरझी स्याम तमाल ।
प्रेम – पुहुप – रस – बास हमारे, बिलसत मधुप गोपाल ।।
जोग समीर धीर नहिं डोलतिं, रूप डार दृढ़ लागीं ।
सूर पराग न तजहिं हिए तें, श्री गुपाल अनुरागीं ।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[3 × 10 = 30]**

7) पठित पद्यांश के आधर पर सूरदास की दार्शनिकता पर एक लेख लिखिए ।

8) पठित पद्यांश के आधार पर सूर के कृष्ण की विशिष्टिताओं को समझाइए ।

9) पठित पद्यांश के आधार पर सूरदास की साहित्य साधना पर प्रकाश डालिए ।

10) पठित पद्यांश के आधार पर सूर का वात्सल्य वर्णन की विशिष्टिताओं को रेखांकित कीजिए ।

11) पठित पद्यांश के आधार पर सूर की राधा पर एक लेख लिखिए ।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[2 × 15 = 30]**

12) भ्रमरगीत परंपरा के उद्भव और विकास पर एक लेख लिखिए ।

13) सूरदास और पुष्टिमार्गीय भक्ति का विवेचना कीजिए ।

14) अष्टछाप कविगणों में से सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए ।

15) सूरदास की भाषा शैली का विश्लेषण कीजिए ।

